EDUCATION TO DISABLED CHILDREN

92. SH. RAKESH DAULTABAD, M.L.A (Badshahpur):

Will the Education Minister be pleased to state:-

a) Whether it is a fact that the education system is not accessible to disabled students in State and the children with mild to moderate disabilities are usually excluded from education; and

b) if so, the steps taken by the Government to make schools accessible and train teachers for disabled students during the last five years in State togetherwith budget allocated by the Government for the Same?

REPLY

SH. KANWAR PAL, EDUCATION MINISTER, HARYANA

a) No, Sir. All the Government schools in the State are accessible to disabled students as ramps with handrails, disable friendly toilets and pucca approachable path from main gate to school building have been constructed. Department of School Education, Haryana is implementing Centrally Sponsored Scheme-Samagra Shiksha, in which Inclusive Education for Disabled is one of the component. All the divyang students irrespective of any disability as per the RPwD Act 2016 are enrolled in Government schools under Inclusive Education. For providing resource support services to divyang students, Inclusive Education for Disabled (IED) resource centers have been established at block level. Presently, 21741 Children with Special Needs (CWSNs) are enrolled in classes from 1st to 12th in various Government schools.

b) Under 'Accessible India Campaign', Department has taken various steps to make all school buildings accessible by making ramps with handrails and disable friendly toilets etc. Department has also conducted training programmes for general teachers as well as special teachers as approved by Ministry of Education, Government of India from time to time.

During the last 5 years, the Education Department has made 2720 Government School buildings accessible to the disabled students by constructing ramps with the budget of Rs. 587.55 lacs and by making Children with Special Needs friendly toilets in 3160 Government Schools with the budget of Rs. 2774.48 lacs. Further, 14097 general teachers of Government Schools have been trained for disabled students with the budget of Rs. 256.63 lacs.

विकलांग बच्चों को शिक्षा

92. श्री राकेश दौलताबाद एम.एल.ए. (बादशाहपुर):

क्या शिक्षा मंत्री कृपया बताएंगे किः–

(क) क्या यह तथ्य है कि राज्य में विकलांग छात्रों के लिए शिक्षा प्रणाली सुलभ नहीं है तथा कम विकलांगता से मध्यम विकलांगता वाले बच्चों को आमतौर पर शिक्षा से वंचित रखा जाता है; तथा

(ख) यदि हां, तो राज्य में गत 5 वर्षों के दौरान विकलांग छात्रों के लिए प्रशिक्षित शिक्षक तथा सुलभ विद्यालय बनाने के लिए सरकार द्वारा क्या पग उठाए गए हैं तथा इसके लिए सरकार द्वारा कितना अनुदान आबंटित किया गया है?

उत्तर

श्री कंवर पाल, शिक्षा मंत्री, हरियाणा

क) नहीं, श्रीमान जी। राज्य के सभी राजकीय विद्यालय विकलांग छात्रों के लिए सुलभ हैं क्योंकि सभी विद्यालयों में हैंडरेल के साथ रैंप, अक्षम अनुकूल शौचालय और मुख्य द्वार से विद्यालय भवन तक पहुंचने के लिए पक्का रास्ता बनाया गया है। हरियाणा शिक्षा विभाग, समग्र शिक्षा नामक केंद्र प्रायोजित योजना, जिसमें विकलागों के लिए समावेशी शिक्षा एक घटक है, को लागू कर रहा है। आर0पी0डब्लयू0डी0 अधिनियम–2016 मे निहित किसी भी प्रकार की विकलांगता वाले सभी दिव्यांग छात्रों को समावेशी शिक्षा के अन्तर्गत सरकारी विद्यालयों में दाखिल किया गया है। दिव्यांग छात्रों को संसाधन सहायता सेवाएं प्रदान करने के लिए खण्ड स्तर पर विकलांगों के लिए समावेशी शिक्षा (आई0ई0डी0) संसाधन केंद्र स्थापित किए गए हैं। वर्तमान में, 21741 विशेष आवश्यकता वाले बच्चे (सी.डब्ल्यू.एस.एन.) विभिन्न राजकीय विद्यालयों में पहली से बारहवीं कक्षाओं में पढ़ रहे हैं।

ख) 'सुगम्य भारत अभियान' के अन्तर्गत विभाग द्वारा सभी विद्यालयों के भवनों को सुलभ बनाने के लिए हैंडरेल के साथ रैंप और विकलांगों के अनुकूल शौचालय बनाने इत्यादि जैसे कई कदम उठाए गए हैं। विभाग ने शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा अनुमोदित प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत विशेष शिक्षकों के साथ–साथ सामान्य शिक्षकों के लिए भी प्रशिक्षण आयोजित किए हैं।

पिछले पांच वर्षों के दौरान, शिक्षा विभाग द्वारा 587.55 लाख रूपये की राशि से रैम्प बनाकर 2720 राजकीय विद्यालयों के भवनों को विकलांग छात्रों के लिए सुलभ बनाया गया तथा 3160 राजकीय विद्यालयों के भवनों में 2774.48 लाख रूपये की राशि खर्च करके विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों के अनुकूल शौचालय बनाए गए हैं। इसके अतिरिक्त, 256.63 लाख रूपये की राशि खर्च करके राजकीय विद्यालयों के 14097 सामान्य शिक्षकों को विकलांग छात्रों के लिए प्रशिक्षित किया गया है।

———————

INDEX

Un-Starred Question No. 92

Listed on 28.12.2022

Sr. No.	Particulars	Page No.
1.	Assembly Un-Starred Question No. 92 Reply (in English)	1
2.	Assembly Un-Starred Question No. 92 Reply (in Hindi)	2